Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

MASL - 504

नाटक एवं नाट्यशास्त्र

M.A. Sanskrit (MASL-20)

1st Semester, Examination June 2022

समय– 2 घण्टा **पूर्णांक – 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड – क

दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। [2 x 20 = 40]

P.T.O.

प्रश्न–1 दशरूपक के अनुसार रस के स्वरूप का विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न–2 सोदाहरण नायक के भेदों का प्रतिपादन कीजिए।

प्रश्न–3 मुखसन्धि का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

प्रश्न–4 रूपक का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके भेदों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न–5 नाट्यशास्त्र के प्रतिपाद्य का विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'क' में आठ (08) श्लोक दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) की संदर्भ सहित व्याख्या करनी है। [4 x 10 = 40]

1. जग्राह पाठ्यमृग्वेदात् सामभ्यो गीतमेव च।

   यजुर्वेदादभिनयान् रसानाथर्वणादपि।।

2. योऽयं भगवता सम्यग्ग्रथितो वेदसम्मितः।

   नाट्यवेदः कथं ब्रह्मन्नुत्पन्नः कस्य वा कृते।।

P.T.O.

3. धर्मो धर्मप्रवृत्तानां कामः कामोपसेविनाम्।

निग्रहो दुर्विनीतानां विनीतानां दमक्रिया।।

4. धर्म्य यशस्यमायुष्यं हितं बुद्धिविवर्धनम्।

लोकोपदेशजननं नाट्यमेतद् भविष्यति।।

5. अधिकारः फलस्वाम्यमधिकारी च तत्प्रभुः।

तन्निरवर्त्यमभिव्यापि वृत्तं स्यादाधिकारिकम्।।

6. बीजवन्तो मुखाद्यर्था विप्रकीर्णा यथायथम्।

ऐकार्थ्यमुपनीयन्ते यत्र निर्वहणं हि तत्।।

7. शोभा विलासो माधुर्यं गाम्भीर्य धर्यतेजसी।

ललितौदार्यमित्यष्टौ सत्त्वजाः पौरूषा गुणाः।।

8. शृङ्गारे कौशिकी वीरे सात्त्वत्यारभटी पुनः।

रसे रौद्रे च वीभत्से वृत्तिः सर्वत्र भारती।।

.....